

③ समुच्चय बोधक अव्यय -

वे अव्यय शब्द जो दो वाक्यों को  
या वाक्यों को जोड़ने का काम करते हैं, समुच्चयबोधक  
अव्यय कहलाते हैं -

जैसे - हरीश क्रिकेट खेलता है और मनीष फुटबॉल खेलता है।  
संयोजक

सीमा खाना पकाती है लेकिन सीमा नहीं पकाती है।

वह विद्यालय गया परन्तु पुस्तक नहीं ले गया।

वह बहुत ईमानदार है इसलिए सभी जगह आदर पाता है।

उसने बहुत मेहनत की किन्तु असफल हो गया।

**समुच्चय बोधक अव्ययशब्द -** और, तथा, एवं, किन्तु, परन्तु,

लेकिन, या, अथवा, इसलिए, कि, मानो, क्योंकि इत्यादि

## ④ विस्मयादिबोधक अव्यय-

वे अव्यय शब्द जो किसी दर्प, शोक, घृणा, विस्मय इत्यादि का बोध कराते हैं, विस्मयादिबोधक अव्यय कहलाते हैं-

जैसे- वाह!, ओहो!, क्या!, कब!, शाबाश!, हे भगवान!,  
अच्छा!, छिः-छिः! इत्यादि



वाह ! क्या दृश्य है। वाह ! क्या स्वाद है।

ओहो ! मैं तो भूख ही गया था। क्या ! पप्पू पास हो गया।

क्या ! उसने ऐसा कहा। कब ! वह कैसे चला गया ?

शाबाश ! मुझे तुमसे यही उम्मीद थी।

हे भगवान ! बहुत बुरा हुआ। अच्छा ! उसने ऐसा कहा।  
छिः-छिः ! बहुत गंदगी है।

निपात-

वे अव्यय शब्द जो किसी वाक्य में प्रयुक्त होकर विशेष बल दे देते हैं अर्थात् अपने होने का प्रभाव जमा देते हैं, निपात कहलाते हैं-

जैसे- ही, भी, तो, तक, केवल/मात्र

ही-

सीमा ही पुस्तक पढ़ेगी। मोहन ही गाये चराखगा।

भी-

मोहन भी जयपुर जायगा। मोहन भी गाना गाया।

ले

वह घर गया ले था। उसने मुझे रोका ले था।

तक -

मैं उससे मिला तक नहीं। वह मुझे जानता तक नहीं।  
 मैं उसके घर गया लेकिन वह मुझसे बोला तक नहीं।

केवल/मात्र -

मुझे मात्र दस दिन का समय चाहिए।

मुझे केवल दस रुपये चाहिए।